राष्ट्रीय महिला किसान दिवस, 15 अक्टूबर, 2017

(15 अक्टूबर, 2017 पटना)

दिनांक 15 अक्टूबर, 2017 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम कुमार, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार, श्री नित्यानन्दराय, सांसद, उजियारपुर, श्री संजीव चौरसिया, विधायक, दीघा क्षेत्र, डॉ. एन. विजयालक्ष्मी, सचिव, पशुपालन एवं मत्स्य, बिहार सरकार, डॉ. रामेष्वर सिंह, कुलपति, बिहार पशु विज्ञान विष्वविद्यालय, डॉ. बी.पी. भट्ट, निदेषक, भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना, कृषक प्रतिनिधि श्री अखिलेष प्र. सिंह एवं श्रीमती सजल झा, ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार ने कृषि में महिलाओं की भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। महिलाएं फसल बुआई से लेकर फसल कटाई तथा इसके बाद की विभिन्न गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उसी तरह पशुपालन, मुर्गीपालन, मषरूम उत्पादन, पुष्प उत्पादन इत्यादि गतिविधियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उसके बावजूद महिलाओं को कृषि से संबंधित गतिविधियों में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की आजादी नहीं है। अतः कृषि में महिलाओं की अहम भूमिका रेखांकित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसी वर्ष 15 अक्टूबर को महिला किसान दिवस मनाने की उद्घोषणा की।

बिहार पशु विज्ञान विष्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामेष्वर सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विष्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे कार्यकलापों एवं पशुपालक एवं अन्य हितधारकों के कौषल विकास में किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी।

माननीय सांसद श्री नित्यानन्द राय ने असमय खेती द्वारा मुनाफा, ग्रीन हाऊस तकनीक और साथ ही कीटनाषकों के दुष्प्रभाव संबंधित जागृति महिलाओं में लाने पर बल दिया।

संस्थान के निदेषक डॉ बी.पी भट्ट ने देश में सफल महिला कृषकों के विषय में उनके सफलता की कहानी बताई तथा विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की कुछ सफल महिला कृषकों की भी चर्चा की।

डॉ. एन. विजयालक्ष्मी, सचिव, पशुपालन एवं मत्स्य, बिहार सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूह के जरूरत पर बल दिया और उन्होंने महिलाओं को कार्बनिक कीटनाषक से संबंधित प्रषिक्षण पर बल दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से लगभग 160 महिला किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा सिंह, वैषाली (मषरूम उत्पादन), श्रीमती फुलवन्ती कुमारी, पुनपुन (खाद्य प्रसंस्करण), श्रीमती सविता कुमारी, दानापुर (खाद्य प्रसंस्करण), श्रीमती जयश्री, मनेर (सब्जी उत्पादन), एवं श्रीमती मंजू नारायण, बक्सर (लघु कृषि उद्योग) को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ शिवानी, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने किया। इस अवसर पर डॉ अमिताभ डे, डॉ जे. एस. मिश्रा, डॉ उज्ज्वल कुमार, डॉ. संत कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रीना कुमारी कमल, वैज्ञानिक भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा किया गया।